संवादकीय: जय हो 'बिजनेस ऐक्टिविज़म' (1216)

कुछ महीने पहले व्हाट्सएप पर एक कहानी बहुत पॉप्युलर हो गई थी। लगभग हर एक ग्रुप में से खूब फॉरवर्ड की जा रही थी। आपके पढ़ने में भी ये आयी होगी। ज्यादातर लोगों को वह कहानी पसंद आई थी ईसीलिए तो काफी व्हाट्सएप ग्रुप्स में और लोगों की वास्तविक बातचीत में भी उसी कहानी पर खूब चर्चा थी। कहानी यह थी कि एक म्यूजियम में आग लगी थी। म्यूजियम में बहुमूल्य चित्र, पेंटिंग और प्राचीन आर्टिकुलेट्स रखे गए थे। जब उनमें आग लगी तो एक छोटी सी चिड़िया अपनी चोंच में पानी भर रही थी और उसे वो उस आग पर डाल रही थी। आग बुझाने के इन प्रयासों में, वो बेचारी चिडिया आग की गर्मी, धुआँ और परिश्रम से अधमरी हो चुकी थी। अधमरी हुई उस चिडिया से एक ने पूछा की, 'तुम इतनी परेशानी क्यों उठा रही हो? ये इतनी बड़ी आग तो तुम्हारे प्रयासों से कुछ बुझनेवाली है नहीं।' उस समय उस चिडिया ने कहा कि 'जब कभी इस म्यूजियम में लगी आग का इतिहास लिखा जाएगा, तो मेरा नाम आग लगने के कारणों में नही बल्की आग बुझाने वाले नामों में शामिल होगा।' दरअसल यह कहानी उस चिडिया जितनी ही छोटी है। लेकिन ये छोटी सी कहानी, पॉसिटिव एक्टिव्हिटीज के बारे में, सकारात्मक एक्शन्स के बारे में, बहुत बड़ी और महत्वपूर्ण बात कह जाती है कि 'हमें पॉसिटिव एक्शन्स करते रहने चाहिए!'

बात पॉसिटिव एक्शन्स की हो रही है तो मुझे एक किस्सा याद आ रहा है। हमारा एक स्मार्ट, अनुभवी दोस्त है, अमोल! एक बार मैं अमोल को जानबूझ कर एक ज्वेलर के पास ले गया। वहां बातो बातों में इन्वेंट्री मैनेजमेंट और इन्वेंटरी कैरिंग कॉस्ट का विषय सामने आया। तब अमोल से रहा नही गया और उसने कहा कि 'अगर हमें इन्वेंट्री नियंत्रण में रखनी हैं, तो प्रोसेसेस और अन्य संबंधित चीजों की जरुरत तो अवश्य होती है, लेकिन इन दो चिजों के साथ साथ कई बार 'बिजनेस एक्टिविज्म' की भी जरुरत होती है। 'बिजनेस एक्टिविज्म? क्या मतलब है इसका?' हम दोनों ने एकसाथ झट से पुछा। उस पर उसने भी उतनी ही तुरंत जवाब दिया कि 'यह कोई नार्मल कॉर्पोरेट एक्टिविज्म नहीं है जो सोशल या एन्वायरमेंट होता है। यह टिपीकल कॉर्पोरेट एक्टिविज्म से अलग होता है। 'बिजनेस एक्टिविज्म' याने पॉसिटिव एक्शन्स करना। जैसे के 'कोई इन्वेंट्री आप के पास काफी दिनों से बिना बेचे वैसे ही पडी हैं' ऐसा आप कहते हैं ना? तो आइए हम अभी के अभी नेकलेस के काउंटर पर चलते है और बारकोड के उपर से जीन जीन नेकलेसेस को 360 दिनों से ज्यादा दिन हो चुके है उन्हे ढुंढ निकालते है और उन पर क्रिक एक्शन लेते है। जैसे के उन्हे एक अलग डिस्प्ले पर सजाएंगे। उन्हे एडवर्टाइज में लेते हैं। सेल्स पर्सन को उन पर एक्स्ट्रा इंसेंटिव देते है। मोबाइल ऐप पर, वेबसाइट पर वो आइटम दिखाना शुरु करते है। यह हुआ 'बिजनेस एक्टिविज्म'!' आगे मुस्कुराते हुए उसने ज्वेलर से कहा के, 'ऐसे ही बिजनेस एक्टिविज्म में से बिझनेस ग्रोथ की नई नई प्रोसेसेस शुरु होती हैं।'' अंत में, जाते-जाते सॉक्रेटीस क्रेश्चनिंग की तरह अमोल ने ज्वेलर से कहा कि 'इस में से आप एक अच्छी बिजनेस प्रोसेस पक्की शुरु कीजिए। मैं देखने के लिए जरुर आऊंगा!'

इस घटना के बाद मैंने कैम्ब्रिज डिक्शनरी में 'एक्टिविज्म' शब्द का अर्थ देखा। इसका पहला अर्थ दिया हुआ है 'The use of direct and noticeable action to activate a result (usually a practical or social work).' मतलब, एक्टिविज्म याने पॉसिटिव एक्शन करना, जो नोटीसीबल हो, डायरेक्ट हो और कुछ क्रिक रिजल्ट हासिल करने के हेतु से वो एक्शन की गई होगी। तो बिजनेसेस में भी हम ऐसी कई पॉसिटिव एक्शन्स कर सकते हैं जो रुटीन प्रोसेस को बाजू में रखते हुए, तुरंत कोई रिजल्ट पाने के लिए, जैसे कोई एक्टिविटी ही कर लो। अच्छा यह 'एक्टिविज्म' आता भी तो कहा से है? किसी चीज का विरोध करने से, किसी चीज की चीड़ होने से, जैसे हमारे दोस्त अमोल को उस एक्सेस इन्वेंटरी को लेकर चीड़ थी, गुस्सा होना, सहानुभूति होना, एम्पथी होना, ऐसी भावनाओं से पॉसिटिव बदलाव लाना, यहां से 'एक्टिविज्म' की शुरुआत होती है। और जैसा अमोल ने कहा वैसे, ऐसे 'एक्टिविज्म' से बदलाव ला कर, हम उसे ग्रोथ के लिए प्रोसेस में तबदिल कर सकते हैं।

यहां दैनिक जीवन से जुड़ा एक सरल उदाहरण मैं देना चाहुंगा। जिस बंगले में मेरे ससुराल वाले रहते हैं उसके बगल में एक सड़क और 8-10 घर हैं। एक सुबह जब मैं यूं ही खिड़की से बाहर देख रहा था तब एक छोटी सी चीज़ मेरे ध्यान में आई। हुआ यू कि जब मेरे ससुरजी उस सड़क पर खड़े थे तो उन्होंने देखा कि सड़क के दोनों ओर ढेर सारे प्लास्टिक के कागज पड़े हुए होते है। और उन्हे इस बात का गुस्सा आया। उन्होंने क्या किया? की वो सारे प्लास्टिक के कागज तुरंत उठाए, इकट्ठा किए और कचरे की गाडी आने के बाद उसमें वो डाल दिए। अब यह 'एक्टिविज्म' याने उस दिन के सीमित वो एक्शन या एक्टिविटी, उन्हे आए हुए गुस्से में से उभरी थी। लेकिन आगे बढ़ते हुए अब हर सुबह कूड़ा उठाने वाली गाड़ी की आवाज आने पर वे बाहर निकलते हैं। बाहर आकर उनके पास होनेवाले लंबी चिमटी से आठों बंगलों के सामने से, सड़क के किनारे से, सारे प्लास्टिक के कागज उनके पास होनेवाली एक बड़ी बाल्टी में इकट्ठा करते हैं और कचरे की गाडी में डाल देते हैं। कुल मिलाकर मतलब हुआ की, उस एक बार के 'एक्टिविज्म' में से उन्होंने अब उनके के लिए हर सुबह की पांच मिनट की एक प्रोसेस तैयार की है। इसी तरह, बिजनेस के लिए भी 'एक्टिविज्म' के जरीए हम कई सारी प्रोसेसस शुरु कर सकते हैं। और इसीलिए हम सभी को 'बिजनेस एक्टिविज्म' को एक अलग नजरिए से देखने की आवश्यकता है।

आगे उत्सुकतावश कुछ दिनों बाद, तय कर के ही एक बार फिर, मैं उस ज्वेलर के पास गया और उन्हे 'बिजनेस एक्टिविज्म' के बारे में पूछा। तो तुरंत ही उन्होंने मुझे अपने केबिन में बुलाया। उन्होंने दिखाया कि वहा प्रत्येक दिन की तारीख के सामने एक आइटम का नाम लिखा हुआ था। जैसे 1 तारीख पर नेकलेस, 2 तारीखपर अंगूठी, 3 तारीख पर बँगल वैगेरे वैगेरे। उन्होंने आगे बताया कि 'हर दिन सुबह दुकान में आने के बाद मैं उस तारीख का जो आइटम होता है उस के सुपरवाइजर को बुलाता हूं। तब वह सुपरवाइजर उस दिन के आइटम में से 180 से अधिक दिन हो चुके आइटम्स लेकर मेरे पास आता है। ऐसे आइटम्स के बारे में मैने मेरे पास उन पर ली जा सके ऐसी 14 एक्शन्स लिख कर रखी हैं। फिर मैं हर एक आइटम देखकर उन 14 एक्शन्स में से विशेषत: उस आइटम पर कौन सी एक्शन ले यह सुपरवायझर को सजेस्ट करता हूं और वह सुपरवाइजर वो एक्शन लेता है। और इसी वजह से, हम तो 360 दिनों के आगेवाली इन्वेंट्री के बारे में बात कर रह थे, लेकिन अब मैं 180 दिनों के आगेवाली आइटम पर हर रोज कुछ ना कुछ एक्शन तो लेते रहता हूं, जिससे मेरी इन्वेंट्री कैरिंग कॉस्ट में बहुत ज्यादा फर्क पडा है।' आगे हल्के से मुस्कुराते हुए उन्होंने मुझसे कहा कि 'बिजनेस ग्रोथ के लिए अब मैंने एक और 'बिजनेस एक्टिविज्म' करने का फैसला किया है। वह है; आपका वो दोस्त है ना ? अमोल; उस के साथ महीने में कम से कम एक बार तो भी खाना खाने जाना है। आप भी आया किजीए हमारे साथ खाना खाने के लिए।' जय हो 'बिजनेस ऐक्टिविज़म'!